कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (39) खण्ड - {77}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- आत्मा कहां जाना चाहती है ?

A- सतयुग

B- सूक्ष्म वतन

C- आवाज से परे निर्वाणधाम

D- साकार लोक में ही

प्रश्न 2- सभी को दुःख की दुनिया से छुड़ाते हैं, इसलिए बाबा को क्या कहते हैं ?

A- लिब्रेटर

B- गाइड

C- पतित पावन

D- मुक्ति जीवन-मुक्ति दाता

प्रश्न 3- प्युरिटी की रॉयल्टी किसकी रॉयल्टी देने से छुड़ा देती है ?

A- विष्णुपुरी

B- धर्मराजपुरी

C- लंका पुरी

D- कंसपुरी

प्रश्न 4- किस बात से बाप का तैलुक (सम्बन्ध) है ?

A- कोई विपदा आती

B- दुःख वा बीमारी आती

C- देवाला मारते

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 5- सदा अपने को क्या समझकर चलो तो तुम्हारे सब दिन सुख से बीतेंगे ?

A- त्रिनेत्री

B- राजऋषि

C- त्रिकालदर्शी

D- त्रिलोकीनाथ

प्रश्न 6- कौन सा चांस तुम्हें अभी है फिर नहीं मिलेगा ?

A- पुरुषार्थ कर पढ़ाई से ऊंच पद पाने का।

B- नर से नारायण बनने का।

C- स्वदर्शन चक्रधारी बनने का।

D- योगबल जमा करने का।

प्रश्न 7- ब्राह्मण जब देवता बनते हैं तो उन्हों को क्या नहीं कह सकते ?

A- त्रिनेत्री

B- त्रिकालदर्शी

C- त्रिलोकीनाथ

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 8- किस एक बात से सर्वव्यापी की बात गलत हो जाती है ?

A- जब आप आयेंगे तो हम आप पर वारी जायेंगे।

B- हमको दुखों से छुडावो।

C- हे पतित पावन आवो।

D- उपरोक्त सभी।

प्रश्न 9- जो काम चिता से उतर ज्ञान चिता पर बैठते हैं-उनको क्या कहा जाता है ?

A- पावन

B- राजयोगी

C- अधर कुमारी

D- ज्ञानी

प्रश्न 10- जगत अम्बा सरस्वती को क्या कहते हैं ?

A- कल्याणकारी

B- ज्ञान की देवी

C- गॉडेज आफ नॉलेज

D- जगत की देवी

प्रश्न 11- आत्मा से कौनसी नॉलेज निकल गई है ?

A- आत्मा व परमात्मा की

B- बाप और रचना की

C- सृष्टि चक्र का

D- स्वदर्शन चक्र की

प्रश्न 12- जीवनमुक्ति किसे कहा जाता है ?

A- संगमयुग को

B- सतयुग को

C- सहज राजाई को

D- शान्तिधाम को

प्रश्न 13- पहले नम्बर में देवतायें गिने जाते हैं, दूसरे नंबर में गिने जाते हैं ?

A- ब्रह्मा

B- क्षत्रिय

C- संन्यासी

D- ब्राह्मण

प्रश्न 14- आत्मा को हमेशा क्या कहा जाता है ?

A- अमर

B- इमार्टल

C- अजर

D- अविनाशी

प्रश्न 15- बापदादा का सभी बच्चों से प्यार की निशानी है कि सब बच्चे क्या बन जायें ?

A- सदा सहज स्वरूप

B- सदा सहज सिद्धि स्वरूप

C- मास्टर सर्वशक्तिवान

D- मास्टर ज्ञानस्वरूप

प्रश्न 16- शिवबाबा है दादा, ब्रह्मा है बाबा, हम हैं पोत्रे पोत्रियां, यह क्या है ?

A- ईश्वरीय परिवार

B- ब्राह्मण परिवार

C- ईश्वरीय कुटुम्ब

D- गॉडली परिवार

भाग (39) खण्ड {77} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C.आवाज से परे निर्वाणधाम*

वास्तव में यह गीत गाने की जरूरत नहीं है। परन्तु बहलाने के लिए यह आवाज करना पड़ता है। वास्तव में आत्मा को आवाज करने की दरकार नहीं। *आत्मा तो

आवाज से परे निर्वाणधाम जाने चाहती है।* बहुत बाजे गाजे तालियां आदि सुनकर आत्मा थकी हुई है इसलिए अब बाप को याद करती है - हे भगवान मुझे ले जाओ।

उत्तर 2- *A.लिब्रेटर*

उन यात्राओं में तो जाकर फिर लौट आते हैं। परन्तु मुक्तिधाम से फिर वापिस आये ही क्यों? एक को रास्ता मिले तो सबको ले जाएं। अब एक बाप आया है तो तुम सबको रास्ता मिलता है ना। *सभी को दु:ख की दुनिया से छुड़ाते हैं, इसलिए उनको लिब्रेटर कहते हैं।* उस निराकार को आने लिए शरीर चाहिए।

उत्तर 3- *B.धर्मराजपुरी*

जैसे शरीर की पर्सनैलिटी आत्माओं को देहभान में लाती है, ऐसे प्युरिटी की पर्सनैलिटी देही-अभिमानी बनाए बाप के समीप लाती है। प्युरिटी की पर्सनैलिटी आत्माओं को प्युरिटी की तरफ आकर्षित करती है, *प्युरिटी की रॉयल्टी

धर्मराजपुरी की रॉयल्टी देने से छुड़ा देती है।* इसी रायॅल्टी अनुसार भविष्य रायॅल फैमली में आ सकेंगे।

उत्तर 4- *D.उपरोक्त सभी*

बाप बच्चों को शान्तिधाम, सुखधाम चलने का सीधा-सादा रास्ता बताते - बच्चे सिर्फ बाप को याद करो और पवित्र रहो। *बाकी तुम्हारे सामने कोई विपदा आती, दु:ख वा बीमारी आती, देवाला मारते.. यह सब तुम्हारे अपने ही कर्मो का हिसाब है, इनसे बाप का कोई तैलुक नहीं।* बाप युक्तियां बताते हैं, कर्मबन्धन से छूटना हरेक बच्चे का काम है।

उत्तर 5- *B.राजऋषि*

“मीठे बच्चे - *सदा अपने को राजऋषि समझकर चलो तो तुम्हारे सब दिन सुख से बीतेंगे*, माया के घुटके से बचे रहेंगे"

उत्तर 6- *A.पुरुषार्थ कर पढ़ाई से ऊंच पद पाने का*

अभी थोड़ा समय है जिसमें पुरुषार्थ कर पढ़ाई से ऊंच पद पा सकते हो फिर यह चांस नहीं मिलेगा। यह जीवन बड़ा दुर्लभ है इसलिए कभी यह ख्याल नहीं आना चाहिए कि जल्दी मरें तो छूटें।

उत्तर 7- *D.उपरोक्त सभी*

स्वदर्शन चक्रधारी तो तुम ब्राह्मण कुल भूषण हो, जिनको परमपिता परमात्मा स्वदर्शन चक्रधारी अथवा त्रिकालदर्शी बनाते हैं। *वही जब देवता बनते हैं तो उन्हों को त्रिनेत्री, त्रिकालदर्शी, त्रिलोकीनाथ नहीं कह सकते* क्योंकि अभी तो हम स्वर्ग की सीढ़ी ऊपर चढ़ते हैं। सतयुग से तो सीढ़ी नीचे उतरनी होती है।

उत्तर 8- *A.जब आप आयेंगे तो हम आप पर वारी जायेंगे*

कहते हैं हे बाबा *जब आप आयेंगे तो हम आप पर वारी जायेंगे... तो आना सिद्ध करता है वह यहाँ नहीं है।*

उत्तर 9- *C.अधर कुमारी*

अभी तुम प्रैक्टिकल में ब्रह्मा मुख वंशावली हो, तुम्हारा यादगार भी यहाँ है। अधरकुमारी का मन्दिर भी है ना। *जो काम चिता से उतर ज्ञान चिता पर बैठते हैं - उनको अधर कुमारी कहा जाता है।*

उत्तर 10- *C.गॉडेज ऑफ नॉलेज*

जगत अम्बा सरस्वती को गॉडेज आफ नॉलेज कहते हैं। तो जरूर सरस्वती की आत्मा में नॉलेज होगी। परन्तु उनमें कौन सी नॉलेज है, यह कोई को पता नहीं है। सिर्फ कह देते हैं गॉडेज ऑफ नॉलेज।

उत्तर 11- *B.बाप और रचना की*

बाप कहते हैं सिर्फ तुम्हारी आत्मा में नॉलेज नहीं है, मैं परमात्मा नॉलेजफुल हूँ - बस यह फ़र्क है। माया ने तुम्हारी

आत्मा को पतित बना दिया है। बाकी कोई दीवा नहीं है, बुझा हुआ। सिर्फ *आत्मा से नॉलेज निकल गई है - बाप और रचना की।*

उत्तर 12- *B.सतयुग को*

बच्चों को ओम् शान्ति का अर्थ बिल्कुल सहज समझाया जाता है। हर एक बात सहज है। सहज राजाई प्राप्त करते हैं। कहाँ के लिए? *सतयुग के लिए। उनको जीवनमुक्ति कहा जाता है।* वहाँ रावण के यह भूत होते नहीं।

उत्तर 13- *C.संन्यासी*

वह पवित्र नहीं होते तो उनकी प्रजा भी वृद्धि को नहीं पाती। तो यह संन्यासियों ने भी अच्छा ही किया है। *पहले नम्बर में देवतायें गिने जाते हैं, दूसरे नम्बर में संन्यासी।* सारा मदार है ही पवित्रता पर।

उत्तर 14- *B.इमार्टल*

आत्मा को हमेशा इमार्टल कहा जाता है। वह कब जलती-मरती नहीं। हर एक आत्मा में पार्ट भरा हुआ है।

उत्तर 15- *B.सदा सहज सिद्धि स्वरूप*

बापदादा का सभी बच्चों से प्यार की निशानी है कि सब बच्चे सदा सहज सिद्धि स्वरूप बन जायें। आपके जड़ चित्रों द्वारा भक्त आत्मायें सिद्धि प्राप्त करती रहती हैं, तो चैतन्य में सिद्धि स्वरूप बने हो तब तो जड़ चित्रों द्वारा भी और आत्मायें सिद्धि प्राप्त करती रहती हैं।

उत्तर 16- *C.ईश्वरीय कुटुंब*

शिवबाबा है दादा, ब्रह्मा है बाबा, हम हैं पोत्रे पोत्रियां। यह ईश्वरीय कुटुम्ब है। दादा याद नहीं पड़ेगा तो वर्सा कैसे लेंगे? इसलिए दादे को जरूर याद करना है।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (39) खण्ड - {78}

प्रश्न 1- सतयुग में श्री लक्ष्मी-नारायण को क्या कहा जाता है ?

A- विष्णु

B- विश्व महाराजन-विश्व महारानी

C- भगवान-भगवती

D- लक्ष्मी नारायण

प्रश्न 2- बच्चों ने क्या साक्षात्कार किया है ?

A- कैसे आग लगती है।

B- मूसलधार बरसात पड़ती है।

C- समुद्र आदि कैसे उछलते हैं।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 3- भगवान एक ही है जिसने किसको रचा ?

A- भगवती

B- ब्रह्मा

C- देवता

D- ब्राह्मण

प्रश्न 4- यह 5 चोर अन्दर बहुत घाटा डाल देते हैं, हम कितने साहूकार थे, 5 विकारों ने क्या बना दिया हैं ?

A- कंगाल

B- गरीब

C- कौड़ी जैसा

D- तंगहाल

प्रश्न 5-जिसने ज्ञान गंगा लाई वा ज्ञान अमृत लाया, उनका नाम कौन सा हैं ?

A- भागीरथ

B- अर्जुन

C- दक्ष प्रजापति

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 6- देह सहित देह के सब सम्बन्धों के क्या बनो ?

A- मेहमान

B- अधिकारी

C- ट्रस्टी

D- न्यारे

प्रश्न 7- अबलाओं-गणिकाओं को भी पुरुषार्थ से विश्व का कौन सा राज्य मिल सकता है ?

A- चंद्रवंशी राज्य

B- सूर्यवंशी राज्य

C- क्षत्रिय राज्य

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 8- कहाँ कर्म विकर्म होता नहीं, कर्म अकर्म होता है क्योंकि वहां माया है नहीं ?

A- द्वापर में

B- कलयुग में

C- सतयुग में

D- संगमयुग

प्रश्न 9-बाप तो बच्चों का मुंह पुरानी दुनिया से फेरकर किस तरफ करते हैं ?

A- सतयुग

B- नई दुनिया

C- संगमयुग

D- शान्तिधाम

प्रश्न 10- देवी देवताओं की मूर्ति बनाकर, पूजा आदि करके फिर डुबो देते हैं, इसको कहा जाता है ?

A- भक्ति

B- ब्लाइन्ड फेथ

C- अंधविश्वास

D- गुड़ियों की पूजा

प्रश्न 11- भगवान बच्चों को बैठ पढ़ाते हैं, क्या बनाने के लिए ?

A- रार्ध-कृष्ण

B- लक्ष्मी-नारायण।

C- भगवान भगवती

D- राम- सीता

प्रश्न 12- इब्राहम, बुद्ध आदि राजाई नहीं स्थापन करते, वह सिर्फ क्या स्थापन करते हैं ?

A- ज्ञान

B- धर्म स्थापन

C- राज्य

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 13-परमपिता परम आत्मा, परे ते परे रहने वाला मनुष्य सृष्टि का क्या है ?

A- पतित पावन

B- मुक्ति-जीवनमुक्ती दाता

C- बीजरूप

D- गाइड

प्रश्न 14- सारी दुनिया में जो भी आत्मायें हैं सब क्या है ?

A- रूद्र माला

B- विजय माला

C- 108 की माला

D- रुण्ड माला

प्रश्न 15- माताओं के मुख से ज्ञान अमृत निकलता है जिससे सब पावन बन जाते हैं इसलिए भक्ति में किसका यादगार बना कर दिया है ?

A- गऊमुख का

B- नंदी का

C- ज्ञान गंगा का

D- ज्ञान अमृत का

प्रश्न 16- ऊंच ते ऊंच परमपिता परमात्मा शिव है फिर रचना रचते हैं किसकी ?

A- ब्रह्मा

B- विष्णु

C- शंकर

D- उपरोक्त सभी

उत्तर 1- *C.भगवान - भगवती*

ऐसा तो कोई कालेज नहीं होगा जिसमें स्वयं भगवान बैठ पढ़ाये। यहाँ खुद भगवान बैठ पढ़ाते हैं भगवान-भगवती बनाने। *सतयुग में श्री लक्ष्मी-नारायण को भगवान-भगवती कहा जाता है।*

उत्तर 2- *D.उपरोक्त सभी*

अब इस सारी दुनिया का विनाश होना है। *बच्चों ने साक्षात्कार भी किया है - कैसे आग लगती है, मूसलधार बरसात पड़ती है, समुद्र आदि कैसे उछलते हैं।* यह सब साक्षात्कार किये हैं।

उत्तर 3- *A.भगवती*

बाप ने समझाया है कि *भगवान एक ही है जिसने भगवती को रचा।* बरोबर भगवानुवाच है। जैसे बैरिस्टर-

वाच, सर्जन-वाच.. यह फिर है भगवानुवाच।

उत्तर 4 -. *A.कंगाल*

यह 5 चोर अन्दर बहुत घाटा डाल देते हैं। हम कितने साहूकार थे, 5 विकारों ने कितना कंगाल बना दिया है। इनका बड़ा सरदार है काम, सेकेण्ड नम्बर है क्रोध।

उत्तर 5- *D.उपरोक्त सभी*

कहते हैं बच्चा तो बना हूँ परन्तु हूँ छोटा बच्चा। हमको भी अपना वर्सा दे देना या हमारे ऊपर भी ज्ञान वर्षा करना। ज्ञान वर्षा तो होती है ना। *इनको भाग्यशाली रथ कहा जाता है, जिसने ज्ञान गंगा लाई वा ज्ञान अमृत लाया, उनके नाम बहुत हैं। भागीरथ भी है, अर्जुन भी है, दक्ष प्रजापति भी कहते हैं।* है तो एक ही प्रजापिता जो सभी को लक्ष्य देते हैं।

उत्तर 6- *C.ट्रस्टी*

देह सहित देह के सब सम्बन्धों के ट्रस्टी बनो, सबकी सम्भाल करते हुए किसी में भी ममत्व नहीं रखो"

उत्तर 7- *B.सूर्यवंशी राज्य*

कहते हैं बच्चे अभी जितना पुरुषार्थ कर स्वर्ग में ऊंच पद पाना हो सो पा लो। हर एक मनुष्य अपनी आजीविका के लिए कितना पुरुषार्थ करते हैं! कोई भी अच्छा पढ़े तो ऊंच पद पा सकते हैं। *यहाँ भी बाप कहते हैं अबलाओं -गणिकाओं को भी पुरुषार्थ से विश्व का सूर्यवंशी राज्य मिल सकता है।*

उत्तर 8- *C.सतयुग*

बाप कहते हैं मैं तुमको कर्म, अकर्म, विकर्म का राज़ समझाता हूँ। *सतयुग में कर्म विकर्म होता नहीं, कर्म अकर्म होता है क्योंकि वहाँ माया है नहीं।* अभी तो माया का राज्य है इसलिए कर्म विकर्म बन जाता है।

उत्तर 9- *B.नई दुनिया*

कितने अच्छे-अच्छे को माया पकड़ लेती है। देखती है कि यह कहाँ ग़फलत में है तो झट थप्पड़ लगा देती है। *बाप तो बच्चों का मुंह पुरानी दुनिया से फेरकर नई दुनिया तरफ करते हैं।*

उत्तर 10- *B.ब्लाइंड फेथ*

देवी देवताओं की मूर्ति बनाकर, पूजा आदि करके फिर डुबो देते हैं। *इस पर तुम्हारा एक गीत भी बना हुआ है, इसको कहा जाता है ब्लाइन्ड फेथ।*

उत्तर 11- *C.भगवान भगवती*

बाप आकर बच्चों को फरमान करते हैं, फिर कोई माने, न माने। श्रीमत भगवानुवाच। *भगवान बच्चों को बैठ पढ़ाते हैं। क्या बनायेंगे? जरूर भगवान भगवती बनायेंगे।* जो जैसा है वह ऐसा ही बनायेगा। निराकार भगवान बैठ निराकार आत्माओं को पढ़ाते हैं इस शरीर द्वारा।

उत्तर 12- *B.धर्म स्थापन*

बाप आकर सबको राज्य-भाग्य देते हैं। और कोई धर्म स्थापन करने वाले राज्य-भाग्य नहीं दे सकते। *इब्राहम, बुद्ध आदि राजाई नहीं स्थापन करते। वह सिर्फ धर्म स्थापन करते* फिर धर्म की वृद्धि होती है। उनको वास्तव में गुरू भी नहीं कहा जा सकता क्योंकि गुरू करते हैं सद्गति के लिए। वह तो आते हैं धर्म स्थापन करने, न कि सद्गति करने।

उत्तर 13- *C.बीजरूप*

बरोबर हमारा निराकार बाबा शिव हमको पढ़ाते हैं। हमारा बाप शिव है। अहम् आत्मा हैं। रूद्र कहें तो भी निराकार है। सिर्फ नाम अलग है, चीज़ एक ही है। *वह है परमपिता परम आत्मा, परे ते परे रहने वाला मनुष्य सृष्टि का बीजरूप।* सर्व आत्माओं का बाप। यह निराकार आत्मा बोलती है साकार शरीर से।

उत्तर 14- *A.रूद्र माला*

सारी दुनिया में जो भी आत्मायें हैं सब रूद्र माला है। बाप के सब बच्चे हैं। सारा सिजरा बनता है ना। मनुष्य बहुत बड़ा सिजरा रखते हैं फिर वह सरनेम पड़ जाता है। यह है श्री श्री शिवबाबा की माला।

उत्तर 15- *A.गऊमुख का*

क्योंकि संगम पर बाप ने ज्ञान का कलष माताओं के ऊपर रखा है। तुम माताओं के मुख से ज्ञान अमृत निकलता है जिससे सब पावन बन जाते हैं *इसलिए भक्ति में गऊमुख का यादगार बना दिया है।* तुम गऊ मातायें हो, तुम ही सबकी मनोकामनायें पूर्ण करती हो इसलिए यादगार बने हुए हैं।

उत्तर 16- *D.उपरोक्त सभी*

चाहे कोई भी हो, ब्रह्मा विष्णु शंकर को भी देवता कहा जाता, परमात्मा एक शिव है। शिव परमात्माए नम:, ब्रह्मा

परमात्माए नम: नहीं कहेंगे। तो यह भी जो मन्दिर आदि हैं, उनके आक्यूपेशन को कोई नहीं जानते। *ऊंच ते ऊंच परमपिता परमात्मा शिव है फिर रचना रचते हैं ब्रह्मा-विष्णु-शंकर की।* शिव निराकार अलग है, शंकर आकारी देवता है। परमात्मा एक है, यह पहेली अच्छी रीति समझाना चाहिए।